वर्ष 2024 माह दिसंबर अंक 36

बालमन

Powered by Teachers of Bihar

प्रधान संपादक :धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा ,भभुआ,कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar- +91 7250818080
Dhiraj Kumar- +91 9431680675
Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं
प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक,

सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

औरंगाबाद

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

जीवन में यदि आपको सफल होना है तो भीड़ से अलग हटकर अपनी एक नई पहचान बनाए और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर गतिशील रहे।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! ठंडी के इस मौसम में आप खुद को बचा कर रखे। गर्म पानी का सेवन करे और शरीर को भी गर्म कपड़ों से ढंक कर रहे। हम सभी अपने पुराने कपड़े या नए अनुपयोगी कपड़ों को जरूरतमंद को दे कर उनकी सहायता इस ठंडी में कर सकते हैं। इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका

धीरज कुमार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा

भभुआ(कैमूर)बिहार

संपर्क सूत्र: 9431680675

ToB संदेश

बच्चों के नाम

प्रमोद कुमार 'निराला '
प्रधान संपादक
ToB बालमन चांद(कैमूर)

प्रिय बच्चों,

आप सभी अपने विद्यालय में पढ़ाई के साथ - साथ कला के क्षेत्र में भी बेहतरीन कार्य कर रहे हैं।आपकी प्रतिभा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रही है।टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के माध्यम से अब जिला से लेकर राज्य स्तर से होते हुए अब राष्ट्रीय स्तर पर आपकी पहचान आपके कला और प्रतिभा से हो रही हैं। जिस सोच के साथ टीचर्स ऑफ बालमन की शुरुआत प्रधान संपादक धीरज कुमार द्वारा किया गया,उसे आगे बढ़ाते हुए कैमूर जिले के चांद प्रखंड से भी मेरे द्वारा बालमन पत्रिका की शुरुआत प्रखंड स्तर से की गई।बालमन की टीम लगातार बच्चों के लिए,बच्चों के हित में बच्चों की प्रतिभा को सम्मानित सह प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी कर रही है और उनके प्रतिभा को एक मंच प्रदान कर रही है।बालमन चांद की टीम का विशेष आभार सहित सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

ToB बालमन

सहयोगी सदस्य

1. श्री राकेश कुमार मणि
(रोचक गणित+दर्शनीय स्थल)
2. श्री राजेश कुमार सिंह
(विज्ञान कॉर्नर)
3. श्री अवधेश राम
(शिक्षण अधिगम सामग्री)
4. श्री राकेश कुमार
(खेल कॉर्नर+सुरक्षित शनिवार+शिक्षा शब्दकोश +रोचक तथ्य)
5. श्रीमती पुनीता कुमारी
(पर्यावरण अध्ययन)
6. श्री संजय कुमार
(बूझो तो जानें)
7. अनुप्रिया जी
(MATH TLM)

Teachers of Bihar

अनमोल विचार

बालमन

जो बात सिद्धांत में गलत है वह बात व्यवहार में भी सही नहीं है।

डॉ राजेंद्र प्रसाद

(भारत के प्रथम राष्ट्रपति)

जन्म: 03 दिसम्बर 1884 मृत्यु: 28 फरवरी 1963

राकेश कुमार

ToB बालमन प्रेरक प्रसंग

लक्ष्य का निर्धारण

एक बार की बात है एक निःसंतान राजा था।वह बूढा हो चुका था और उसे राज्य के लिए एक योग्य उत्तराधिकारी की चिंता सताने लगी थी। योग्य उत्तराधिकारी के खोज के लिए राजा ने पुरे राज्य में ढिंढोरा पिटवाया कि अमुक दिन शाम को जो मुझसे मिलने आएगा, उसे मैं अपने राज्य का एक हिस्सा दूंगा। राजा के इस निर्णय से राज्य के प्रधानमंत्री ने रोष जताते हुए राजा से कहा, "महाराज, आपसे मिलने तो बहुत से लोग आएंगे और यदि सभी को उनका भाग देंगे तो राज्य के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। ऐसा अव्यावहारिक काम न करें।"

राजा ने प्रधानमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री जी, आप चिंता न करें, देखते रहें, क्या होता है।' निश्चित दिन जब सबको मिलना था, राजमहल के बगीचे में राजा ने एक विशाल मेले का आयोजन किया। मेले में नाच-गाने और बहुत सारे पेय पदार्थों की महफिल जमी थी, खाने के लिए अनेक स्वादिष्ट पदार्थ थे। मेले में कई खेल भी हो रहे थे।

राजा से मिलने आने वाले कितने ही लोग नाच-गाने में अटक गए, कितने ही सुरा-सुंदरी में, कितने ही आश्चर्यजनक खेलों में मशगूल हो गए तथा कितने ही खाने-पीने, घूमने-फिरने के आनंद में डूब गए। इस तरह समय बीतने लगा। पर इन सभी के बीच एक व्यक्ति ऐसा भी था जिसने किसी चीज की तरफ देखा भी नहीं, क्योंकि उसके मन में निश्चित ध्येय था कि उसे राजा से मिलना ही है। इसलिए वह बगीचा पार करके राजमहल के दरवाजे पर पहुंच गया।

वहां खुली तलवार लेकर दो चौकीदार खड़े थे। उन्होंने उसे रोका। उनके रोकने को अनदेखा करके और चौकीदारों को धक्का मारकर वह दौड़कर राजमहल में चला गया, क्योंकि वह निश्चित समय पर राजा से मिलना चाहता था। जैसे ही वह अंदर पहुंचा, राजा उसे सामने ही मिल गए और उन्होंने कहा, 'मेरे राज्य में कोई व्यक्ति तो ऐसा मिला जो किसी प्रलोभन में फंसे बिना अपने ध्येय तक पहुंच सका। तुम्हें मैं आधा नहीं पूरा राजपाट दूंगा। तुम मेरे उत्तराधिकारी बनोगे।

शिक्षा

सफल वही होता है जो लक्ष्य का निर्धारण करता है, उस पर अडिग रहता है, रास्ते में आने वाली हर कठिनाइयों का डटकर सामना करता है और छोटी-छोटी कठिनाईयों को नजरअंदाज कर देता है।

पद्य पंकज

"कुछ काम करो, कुछ काम करो
जग में रह कर कुछ नाम करो
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो
कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो, न निराश करो मन को"

मैथिलीशरण गुप्त

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

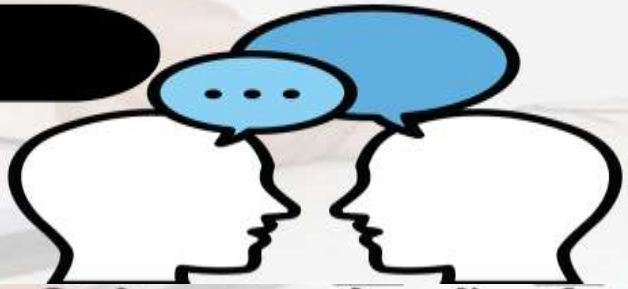

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका एक बहुत ही अच्छी पत्रिका है। यह पत्रिका बच्चों की रचनाओ को स्थान देने मे बहुत ही सहायक हैं।कविताएं,कहानियां,पेंटिंग,हस्त कला आदि प्रतिभाओं को स्थान मिलता हैं। जिससे हम जैसे बच्चों को और बेहतर प्रदर्शन करने को प्रोत्साहन मिलता हैं। हमारी हुनर को पंख देने के लिए मैं सभी बालमन सदस्यों का धन्यवाद प्रकट करती हूं।

अक्स नाज़ (छात्रा)
कक्षा 11
ठाकुरगंज(किशनगंज)

मैं अर्चना उ०म० वि० सिलौटा, भभुआ कैमूर में कार्यरत शिक्षिका हूँ। मैं मेरे विद्यालय के शिक्षक धीरज सर द्वारा बच्चों के प्रोत्साहन हेतु और उनकी कला को मंच प्रदान करने हेतु प्रति माह प्रकाशित की जा रही "ToB बालमन पत्रिका " से बहुत प्रभावित और आकर्षित हूँ। यह एक अनोखी पहल है जिससे बच्चों को आगे बढने और अपनी कला को प्रदर्शित करने का प्रोत्साहन मिलता है। मैं ऐसी अद्वितीय और अनोखी पहल को प्रारम्भ करने और उसमें हम सबको सम्मिलित करने हेतु बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज सर और टीचर्स ऑफ बिहार का तहे दिल से धन्यवाद करती हूँ।

अर्चना (विद्यालय अध्यापिका)
U.M.S. सिलौटा, भभुआ
कैमूर

ToB बालमन अंतर खोजे

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

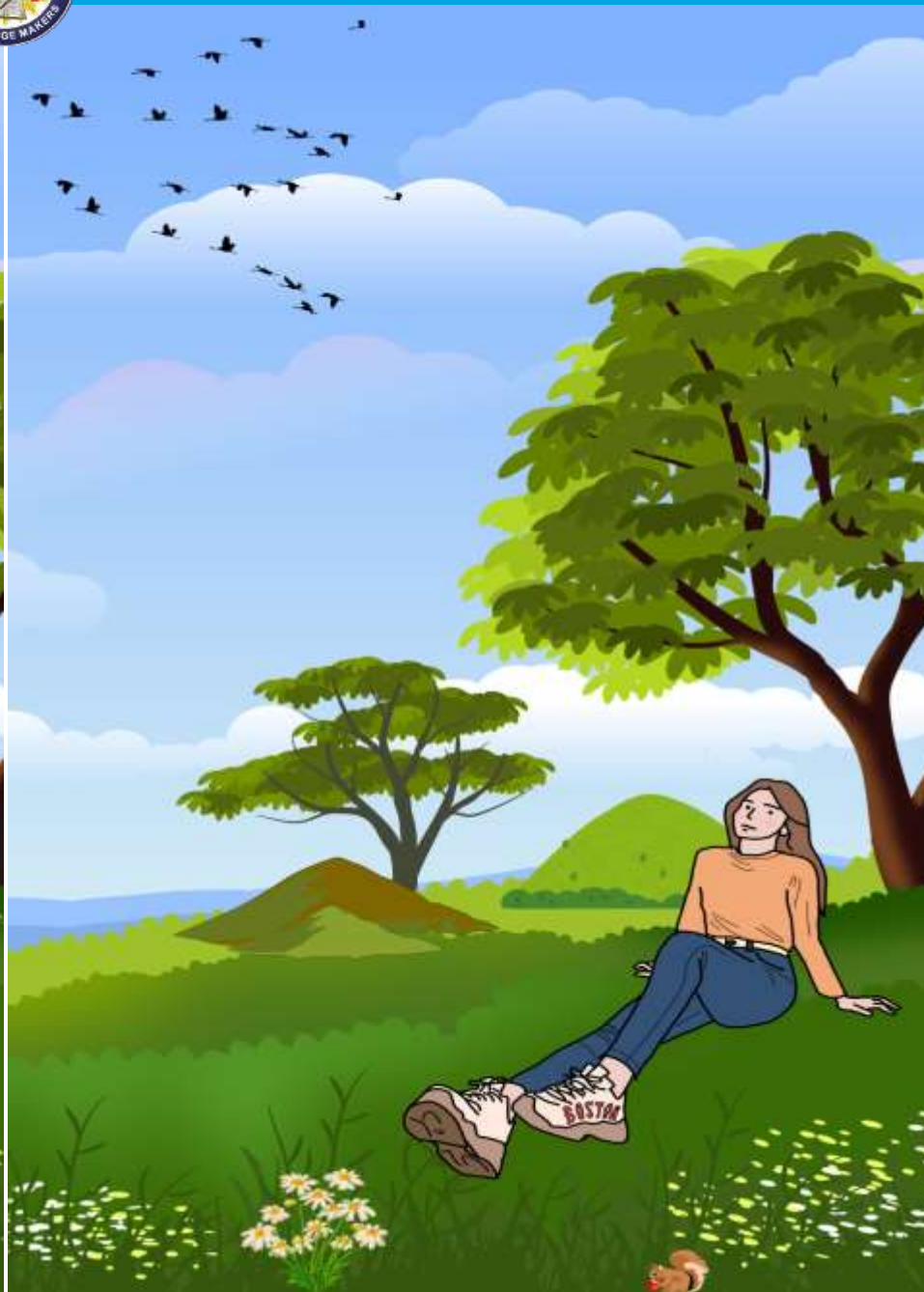

विश्व के धरोहर

अंकोरवाट मंदिर

अंकोरवाट मंदिर कम्बोडिया देश में एक मन्दिर परिसर और दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है। यह कम्बोडिया के अंकोर में है जिसका पुराना नाम 'यशोधरपुर' था। इसका निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय (1112-53 ई॰) के शासनकाल में हुआ था। यह एक ब्राह्मण धर्म का हिन्दू मन्दिर है। मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में बना यह मन्दिर आज भी संसार का सबसे बड़ा मन्दिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला हुआ है। राष्ट्र के लिए सम्मान के प्रतीक इस मन्दिर कम्बोडिया के राष्ट्रध्वज में भी स्थान दिया गया है। यह मन्दिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। इसकी दीवारों पर भारतीय ब्राह्मण धर्म ग्रन्थों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएँ बहुत सुन्दर चित्रित की गई हैं। असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मन्थन का दृश्य भी दिखाया गया है। विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थानों में से एक होने के साथ ही यह मन्दिर यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। पर्यटक यहाँ केवल वास्तुशास्त्र का अनुपम सौंदर्य देखने ही नहीं आते बल्कि यहाँ का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने भी आते हैं। सनातनी लोग इसे पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।इसका मूल शिखर लगभग 64 मीटर ऊँचा है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी आठों शिखर 54 मीटर उँचे हैं। मंदिर साढ़े तीन किलोमीटर लम्बी पत्थर की दिवार से घिरा हुआ था, उसके बाहर 30 मीटर खुली भूमि और फिर बाहर 190 मीटर चौडी खाई है।यह एकलौता ऐसा मंदिर है जहां त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश की मूर्तियां एक साथ स्थापित हैं।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

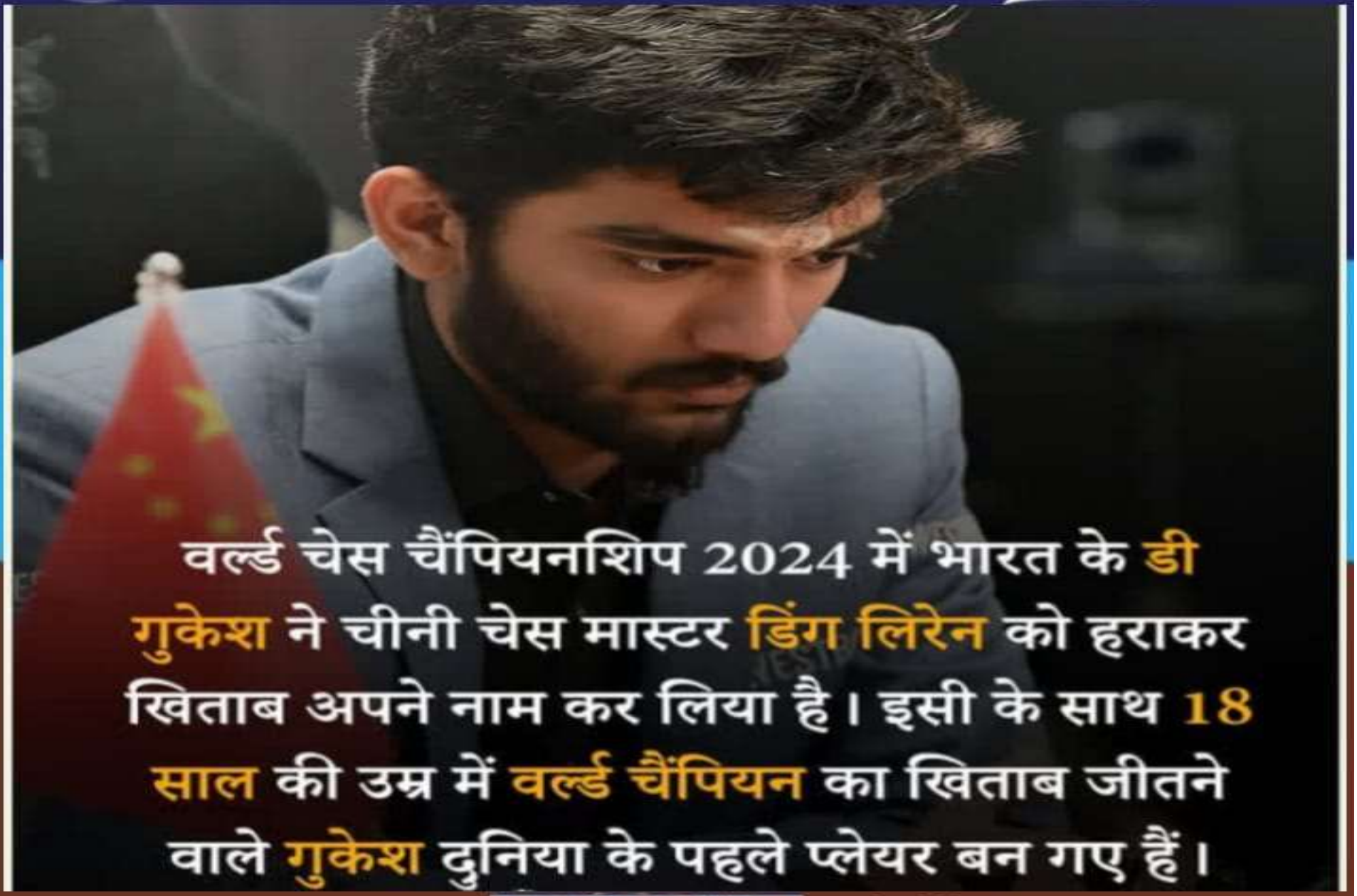

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन
नन्हें कलाकार

Part 1

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हैडक्वाटर कस्बा(पूर्णिया)

UMS TENGRA ,BELHAR,BANKA

मध्य विद्यालय डुमरिया बनिया छापर अंचल कुचायकोट जिला गोपालगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुल्हड़ियां(कैमूर)

राजकीय कन्या मध्य कुचायकोट गोपालगंज

P.S.RAMPUR (D.U.K.)
RUBY

U.M.S. कुल्हड़ियां (कैमूर)

मध्य विद्यालय मधुरापुर बालक, नारायणपुर भागलपुर

MS Jhurkusiya Pirpainti Bhagalpur.

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा कैमूर की वर्ग) की अंशिका नंदनी और नुसरत

मध्य विद्यालय
कोआही,रून्नीसैदपुर,सीतामढ़ी।

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय
आरा(भोजपुर)

वंदना कुमारी,वर्ग 2
UMS सिलौटा कैमूर

M s baukharanh
kharagpur munger

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 2

गोपाल कुमार
UMS सिलौटा, कैमूर

नंदिनी गुप्ता
पटना

UMS दुघरा, भभुआ
कैमूर

D.N.S. मिडिल स्कूल
मकराइन डेहरी रोहतास

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुधहन
रघुनाथपुर(सिवान)

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

पी. एम. श्री मध्य विद्यालय सैनो जगदीशपुर (भागलपुर)

मध्य विद्यालय पुरैनी जगदीशपुर की वर्ग तीन की छात्रा

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

UMS TENGRA BELHAR (BANKA)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मौजीपुर फतुहा (पटना)

राजकीय मध्य विद्यालय तेतरिया पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय कोआही रून्नीसैदपुर (सीतामढ़ी)

नई प्राथमिक विद्यालय करवंदिया चांद (कैमूर)

जाहिद अंसारी,वर्ग 3
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

U.M.S. BANSGAON, BAGAHA-2, WEST CHAMPARAN

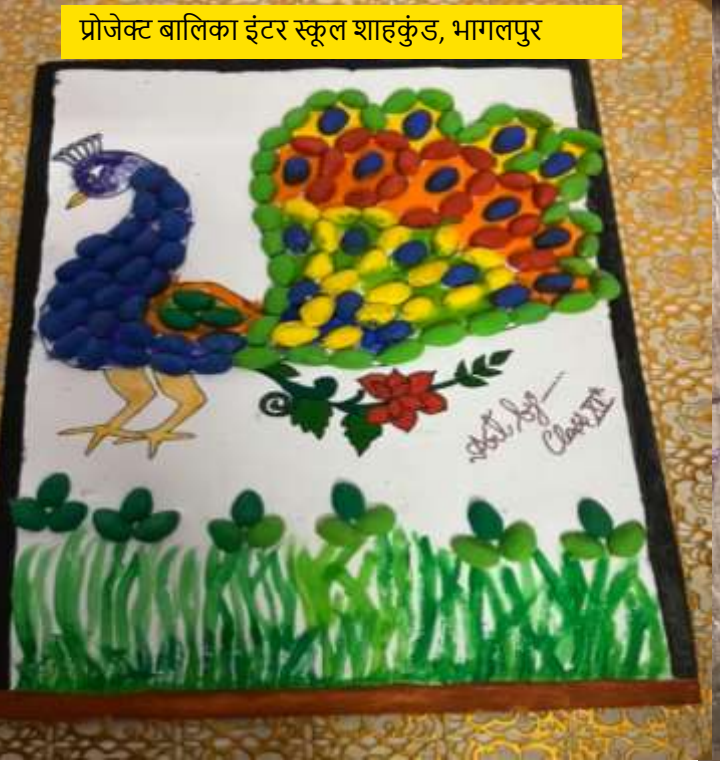

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

2 दिसंबर

मधु प्रिया

डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती 3 दिसंबर

आज देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म **3** दिसंबर **1884** को जीरादेई (बिहार) में हुआ था। उनके पिता का नाम महादेव सहाय एवं माता का नाम कमलेश्वरी देवी था। पिता फारसी और संस्कृत भाषाओं के विद्वान तो माता धार्मिक महिला थीं। वे सादगी पसंद, दयालु एवं निर्मल स्वभाव के व्यक्ति थे। बचपन में उनके प्रारंभिक पारंपरिक शिक्षण के बाद वे छपरा और फिर पटना चले गए। वहां पढ़ाई के दौरान कानून में मास्टर की डिग्री के साथ डाक्टरेट की विशिष्टता भी हासिल की। कानून की पढ़ाई के साथ-साथ वे राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे।वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में **1946** एवं **1947** में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। सम्मान से उन्हें प्रायः 'राजेन्द्र बाबू' कहकर पुकारा जाता है। **78** वर्ष की उम्र में इनका स्वास्थ्य बहुत गिरने लगा, जिससे वे हमेशा बीमार रहने लगे।स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की मृत्यु **28** फरवरी, **1963** को पटना में हुई।

यूनिसेफ स्थापना दिवस 11 दिसंबर

unicef

हर वर्ष पूरे विश्व में **11** दिसंबर को यूनिसेफ स्थापना दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **11** दिसंबर, **1946** को यूनिसेफ(एक प्रकार का संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष संगठन)का गठन किया था। इस संगठन के गठन का लक्ष्य द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आपूर्ति, सहायता और स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और बच्चों के सामान्य कल्याण में सुधार करना था। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद पूरी दुनिया में भुखमरी और कुपोषण जैसी समस्या उत्पन्न हो गई थी। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित छोटे बच्चे थे। यह संगठन खासकर बच्चों के उत्थान के लिए काम करती है। यह संगठन **1953** में संयुक्त राष्ट्र की एक स्थाई एजेंसी बन गया था। इस दिन पूरी दुनिया में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित होते हैं। इन सम्मेलनों में बच्चे के जीवन को और बेहतर बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने की रूपरेखा तैयार की जाती है। जिसके आधार पर पूरे वर्ष बच्चों के उत्थान के लिए काम किया जाता है। यूनिसेफ विशेष रूप से कम विकसित देशों और विभिन्न आपातकालीन स्थितियों में बच्चों के जीवन में सुधार के लिए कई तरह के कार्यक्रम चलाता है। यूनिसेफ संगठन से जुड़े हुए सभी देश **11** दिसंबर को अपने यहां खास कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इसमें बच्चों के उत्थान से जुड़े संगठनों और प्रतिनिधि को बुलाया जाता है। जिसमें उन्हें यूनिसेफ के आगामी कार्यक्रम की जानकारी देने के साथ उनसे भी सुझावों मांगे जाते हैं। इन सुझाव के आधार पर यूनिसेफ अपनी योजनाएं बनाता है। इसके अलावा जिन देशों में बच्चों की स्थिति काफी दयनीय है, उनकी स्थिति में सुधार करने के लिए आर्थिक मदद की घोषणाएं की जाती है। आज के समय में यूनिसेफ संगठन के साथ मिलकर **190** देश काम कर रहे हैं।

एक नज़र इधर भी.....

बच्चों के बढ़े बालकों अपने देखरेख में कटवाती
शिक्षिका पुष्पा प्रसाद
राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
गोपालगंज

क्रिसमस पर पौधारोपण
प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारी शरीफ पटना

पपेट का स्वयं निर्माण कर
विद्यालय में गतिविधि करते हुए
दिलीप कुमार रजक
मध्य विद्यालय रसीदपुर दियारा
नाथनगर भागलपुर

मध्य विद्यालय लत्तीपुर बिहपुर
भागलपुर

हस्त निर्मित गुलदस्ता और आकर्षक विद्यालय

TOB बालमन

स्वस्थ खानपान तो स्वस्थ शरीर

खाने का समय निश्चित रखें। अनियमित और असमय भोजन करने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवन के लिए

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
(ToB बालमन पत्रिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
कैमूर, बिहार

Health is wealth

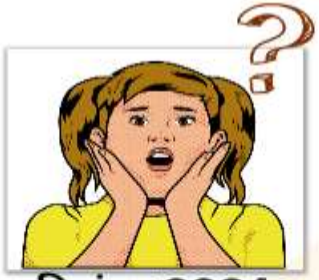

दिसंबर 2024

ToB बालमन

अजब गजब

1. दुनिया के 85 प्रतिशत पौधे समुद्र के अंदर होते हैं।
2. बिल्लियां अपनी ज़िंदगी का 66 प्रतिशत हिस्सा सो कर बिताती हैं।
3. दो केलों में 90 मिनट तक कड़े व्यायाम करने के लिए ऊर्जा होती है
4. यूक्रेन का चेर्नोबिल अपवर्जन क्षेत्र 1986 की परमाणु आपदा की जगह होने की वजह से धरती की सबसे प्रसिद्ध निषिद्ध जगहों में से एक है
5. पृथ्वी पर सबसे गहरी जगह प्रशांत महासागर में स्थित मारियाना ट्रेंच है।

ToB बालमन

हँसना जरूरी है...

पप्पू और गप्पू दोनों भाई एक ही क्लास में पढ़ते थे।
अध्यापिका- तुम दोनों ने अपने पापा का नाम अलग-अलग क्यों लिखा?
पप्पू- मैडम फिर आप कहोगे नकल मारी है, इसलिए ....

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...
भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया।
बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं?
भिखारी - हां हैं मां जी
बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

ToB बालमन विशेषांक

विषय : सामान्य ज्ञान

भारत के कुछ महापुरुष और उनके जन्म दिवस

धीरज कुमार (शिक्षक)
UMS सिलौटा, भभुआ,
कैमूर, बिहार

>>महापुरुष नाम	जन्म दिवस और जन्म स्थान
महात्मा गांधी	02 अक्टूबर 1869(पोरबंदर, गुजरात)
सुभाष चंद्र बोस	23 जनवरी 1897 (कटक,उड़ीसा)
लाल बहादुर शास्त्री	02 अक्टूबर1904(मुगलसराय,U.P.)
सरदार व.भाई पटेल	31अक्टूबर 1875 (नडियाद,गुजरात)
रानी लक्ष्मी बाई	19नवंबर 1835(वाराणसी,U.P.)
शहीद भगत सिंह	27 सितंबर 1907(लायलपुर, पंजाब)
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	03दिसंबर 1884(जीरादेई, बिहार)
भीमराव अंबेडकर	14 अप्रैल 1891(महू,मध्य प्रदेश)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन

आपके पेंटिंग

भाग 1

प्रा 0 वि0 प्रखंड कॉलोनी
फुलवारी शरीफ पटना

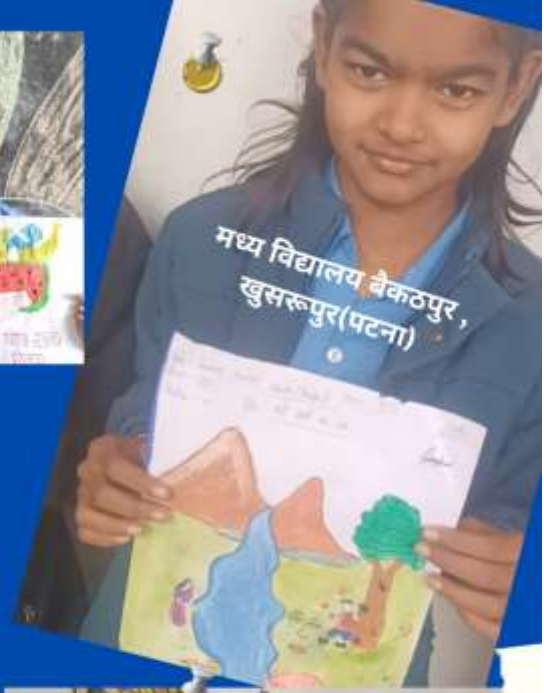

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोकामा
पटना

Sonam Kumari
M.S.ANUSUCHIT JATI TOLA SONBARSHA
BIHPUR (BHAGALPUR)

प्राथमिक विद्यालय लावा टोल हनुमान नगर दरभंगा

उ0 म0 वि0 दोगच्छी ठाकुरगंज,किशनगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोकामा
पटना

UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

जाहिद अंसारी
वर्ग 3
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

ToB बालमन
आपके पेंटिंग
भाग 2

मध्य विद्यालय शाकहरा
मुंगेर

Sahani kumari Class 6
M.S.Belagpi, Gaighat,
Muzaffarpur

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा
(भोजपुर)

शिवानी कुमारी,वर्ग 8
राजकीय मध्य विद्यालय ओदार
भभुआ (कैमूर)

UMS बहेरिया, चांद
कैमूर

विनीत रंजन
UMS अर्रा, मोहनियां
कैमूर

रूपा कुमारी ,वर्ग 7
सरौनी कला, मधेपुरा

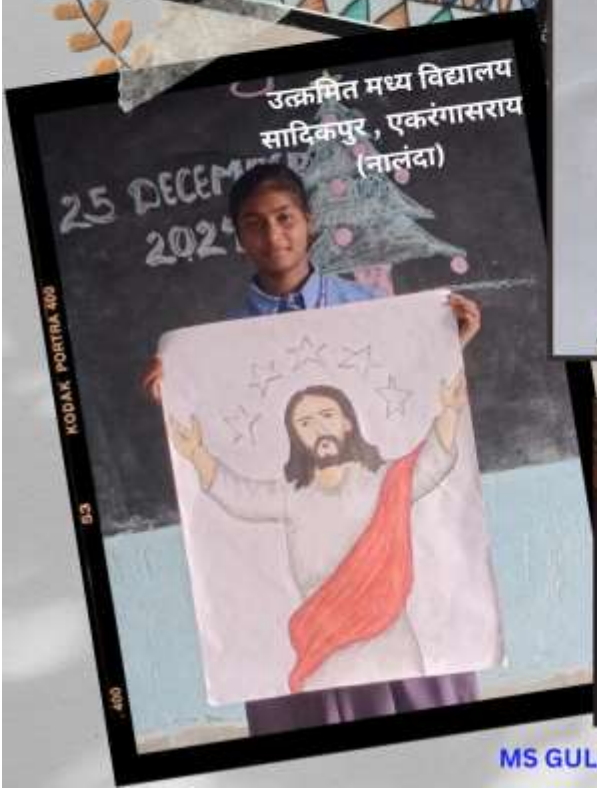

TOB
बालमन
आपके पेंटिंग
भाग 3
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
मध्य विद्यालय
मदारपुर
(दरभंगा नगर)
UMS सिलौटा, कैमूर
UMS डोगच्छी
किशनगंज
Nidhi Kumari
#nanhekalakar #art #writing #painting
राजकीय मध्य विद्यालय तेतरिया पूर्वी चंपारण
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
सादिकपुर , एकरंगासराय
(नालंदा)
WELCOME
MS GULALPUR JAMALPUR, MUNGER
प्राथमिक विद्यालय धोबी टोला
तिरस्कुण्ड
अररिया
राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट (गोपालगंज)

ToB बालमन पेंटिंग भाग 4

UHS छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी
नरपतगंज जिला अररिया

मध्य विद्यालय शकहरा टोला,मुंगेर

U.m.s Dudahan Raghunathpur Siwan

UMS दुघरा भभुआ कैमूर

सुनिधि गुप्ता ,UMS सिलौटा भभुआ।

NPS बिंद टोला बेतरी कैमूर

मध्य विद्यालय दूधहां , सिवान

चलते चलते इधर भी एक नजर

मध्य विद्यालय बलुआ मनेर पटना

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनियां कैमूर

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार + धीरज कुमार

बालमन

दिसंबर 2024

1

शुरूआत में वो हरा रहता है,
बाद में हो जाता है पिला।
गर्मी में बड़े मजे से खाते,
बच्चे हो या बूढ़ा।।

2

बूझो भैया एक पहेली,
जब काटो तो नई नवेली।।
जल्दी से बताओ तुम,
करना नहीं है तुम्हें देरी।।

3

एक बंदा सफेद दाढ़ी वाला,
रातों को आता है।
एक बड़ी पोटली लादे पीठ पर,
सबको उपहार दे जाता हैं।

4

जय जवान,जय किसान,जय विज्ञान
नारा जिसने दिया थे एक प्रधानमंत्री,
25 दिसंबर को जन्मदिन हैं
बताओ उनका क्या हैं नाम ?

ToB बालमन

माह- दिसंबर

EVS

कपड़े तरह-तरह के

* वस्त्र या कपड़ा मानव निर्मित चीज है जो मानव जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।
* कपड़े सिलने का कार्य करने वाले व्यक्ति को दर्जी कहते हैं।
* हम विभिन्न प्रकार के वस्त्र पहनते हैं, कुछ वस्त्र को सिलने की जरूरत पड़ती है और कुछ को नहीं।
* शरीर को ढ़कने से लेकर घर की सजावट तक कपड़ा हमारी जिंदगी से जुड़ा हुआ है।
* हम अलग-अलग ऋतुओं में शरीर को सुरक्षित रखने के लिए गर्म और ठंडे कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं।
* कपड़े हमें गर्मी, ठंडी, बरसात, कीड़े और धूल मिट्टी से बचाते हैं।
* गर्मी में हम सूती कपड़े ज्यादा पहनते हैं।
* सूती कपड़े हवादार होते हैं जिससे हमारा शरीर ठंडा रहता है।
* सर्दी में हम ऊनी कपड़े पहनते हैं।
* ऊनी कपड़े हमारे शरीर की गर्मी को बाहर नहीं निकलने देते।

खेत से घर तक

* हमारे आस-पास बहुत सारे खेत हैं।
* उसमें धान, गेहूं, दलहन, तिलहन, सब्जियां आदि बोई जाती है।
* फसल अच्छी हो इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।
* सबसे पहले फसल बोने के लिए खेत की जुताई करनी पड़ती है, फिर बुवाई, निराई-गुड़ाई, और समय-समय पर पानी देना होता है।
* कुछ अनाज जाड़े में बोए जाते हैं और गर्मी में काटे जाते है और कुछ गर्मी में बोए जाते हैं और सर्दी में काटे जाते हैं।
* धान, प्याज, मिर्च आदि बोने के पहले उसका बिचड़ा तैयार किया जाता है, फिर तैयार बिचड़े को उखाड़कर खेतों में बराबर-बराबर दूरी पर लगाया जाता है।
* जबकि गेहूं, मक्का, सरसों आदि के बीज सीधे खेतों में लगा दिए जाते है

धान की खेती

सब्जी की खेती

ToB BALMAN ENGLISH CORNER

NOUN

A noun is the name of person, place, animal or thing.

doctor

astronaut

chef

Ram

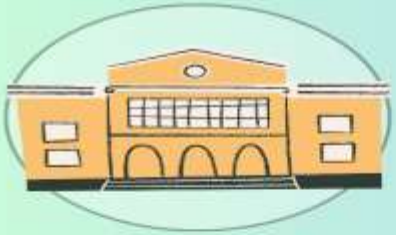
school

library

hospital

tiger

elephant

book

doll

piano

ToB बालमन पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

UMS बहेरिया, चांद, कैमूर

अमन कुमार,वर्ग 8
मध्य विद्यालय भेकास, कैमूर

Art by
Dhamendra kumar
Class-VIII
UMS TENGRA
BELHAR
BANKA

ToB बालमन पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

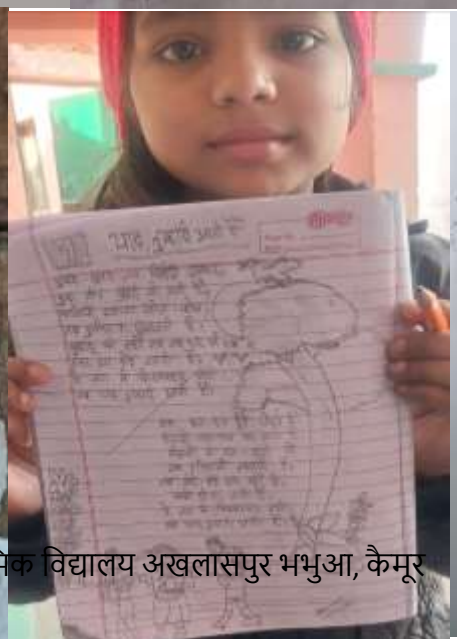

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास, कैमूर

ToB बालमन कविता

ज़िद्दी मन

नाम तो है पर पहचान नही,
ऊंची उड़ान भरनी है पर पंख ही तो नही,
हवा के झरोखों के सहारे उड़ना नामुमकिन है,
उड़ने के लिए जाबाज़ परिंदा बन्ना जरुरी है।

समा अपनी तारीफ खुद नही करती है ,
जल कर सब को रोशनी दिया करती है ,
जुबा खामोश है पर कलम लिखा करती है ,
मंजिल को पाने की ख्वाहिश सबको हुआ करती है।

उतार चढ़ाव से मैं
नही घबराती हूं,
नींद चैन को मैं त्यागती हूं ,
कठिनाई से लड़ने की ताकत मैं रखती हूं,
सुरज को अपनी मुट्ठी मे करने की चाहत मैं रखती हूं।

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नही तो कल निकलेगा ,
जब आश बुलंदीयो को पाने की हो ,
तो रास्ता खुदबखुद निकलेगा ।।

अक्स नाज़ (छात्रा)
वर्ग 11
ठाकुरगंज(किशनगंज)

ToB बालमन कविता

मां की ममता

कोई नहीं है इस दुनिया में ,
मां की ममता मां का प्यार ।
मां का प्यार सच्चा है,
बाकी झूठा है सारा संसार ।

गोद उठाती लोरी गाती,
अपनी नींद तोड़ कर हमे सुलाती।
पहले खाना हमें खिलाता ,
अपने हिस्से का खाना भी दे जाती।
मां के जैसा दूसरा ना घर द्वार,
मां की ममता मां का प्यार ।

घर के राज दुलारे है हम,
मां के आंख के तारे हम है।
दूर कभी न रहने देती,
आंसु कभी ना बहने देती।
करे खिलौनों की भरमार,
मां की ममता मां का प्यार।

कोई नहीं जग में मां जैसा,
मां जैसा कोई दूसरा नहीं होता।
सोना, चांदी, रुपया - पैसा,
मां के आगे सब बेकार।
दुनिया में भगवान ने दिया हमे,
मां जैसी खूबसूरत उपहार

कोई नहीं है इस दुनिया में ,
मां की ममता मां का प्यार ।
मां का प्यार सच्चा है,
बाकी झूठा है सारा संसार

परिधि कुमारी (छात्रा)
वर्ग 6
U.M.S. सिलौटा, कैमूर
बिहार

ToB Black Board Work

UMS मलहरिया, समेली कटिहार

मध्य विद्यालय मधुरापुर बालक नारायणपुर (भागलपुर)

PS Ramtola Simrahi narpatganj, Arariya

MS Jhurkusiya Pirpainti Bhagalpur.

UHS महलगांव

RUMS DUDHAHAN RAGHUNATHPUR SIWAN

म वि गोरौल चकव्यास, प्रखंड-गोरौल जिला-वैशाली

UHS,बैजनाथ,रामगढ़ कैमूर

ToB बालमन कविता

स्कूल तो जाना पड़ेगा

स्कूल तो जाना पड़ेगा, कभी बेंच -डेक्स पर बैठकर शिक्षा प्राप्त करने के लिए तो कभी उस मर्यादित कुर्सी पर बैठकर शिक्षा देने के लिए स्कूल तो जाना पड़ेगा ।

कभी अपना सपना पूरा करने के लक्ष्य से, कभी माँ- पिता जी को गौरव से सर ऊँचा है, इस मर्यादा के लिए स्कूल तो जाना पड़ेगा ।

कभी माँ -पिता जी की दुलार से तो
कभी उनके फटकार से स्कूल तो जाना पड़ेगा ।

कभी अपना भविष्य उज्ज्वल करने के लिए, कभी उस मर्यादित कुर्सी जो स्कूल जाने की वजह है, उसके लिए स्कूल तो जाना पड़ेगा ।

कभी हम स्कूल के बगीचे के फूल थे ,
आज दूसरे फूल को सिचने के लिए
स्कूल तो जाना पड़ेगा ।

साधना कुमारी (शिक्षिका)
N.P.S. ढढणिया, भभुआ, कैमूर बिहार

ToB बालमन क्विज

दिसंबर 2024

धीरज कुमार
प्रधान संपादक सह शिक्षक
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ,कैमूर
(बिहार)

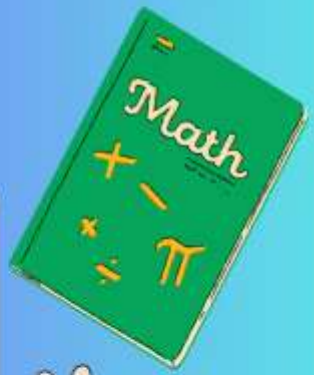

प्रश्न : राष्ट्रीय गणित दिवस कब मनाया जाता हैं ?

a. 20 दिसंबर b. 14 नवम्बर
c. 22 दिसंबर d. 11 जनवरी

उत्तर: c

प्रश्न : निम्न में किसे भारत का महान दीवार कहा जाता हैं ?

a. कुंभलगढ़ किले की दीवार
b. ग्वालियर किले की दीवार
c. आगरा किले की दीवार
d. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: a

प्रश्न : कच्छ का रण किस राज्य में हैं ?

a. गुजरात b. महाराष्ट्र
c. राजस्थान d. तमिलनाडु

उत्तर: a

प्रश्न : कौन सा दर्रा श्रीनगर को लेह से जोड़ता है?

a. मन पास b. नाथुला दर्रा
c. ज़ोजीला दर्रा
d. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: c

मध्य विद्यालय घोसरावां, गिरियक
नालंदा।

मध्य विद्यालय सूरीगांव (पूर्णिया)

ToB बालमन

चेतना सत्र

मध्य विद्यालय दरगाहीगंज प्रखंड नरपतगंज
जिला अररिया

मध्य विद्यालय पिटरो,पिरो
(भोजपुर)

ToB बालमन कहानी

संध्या पाठशाला

बात आज से लगभग तीन वर्ष पहले की हैं। ठंडी की शुरुआत हो चुकी थी।शादी विवाह में बजने वाला शोर समाप्त हो चुका था।दिसम्बर महीने का अंतिम सप्ताह चल रहा था।बिहार के छोटे से शहर भभुआ में रहने वाले धीरज मास्टर साहेब हमेशा की तरह आज भी स्कूल जा रहे थे तभी रास्ते में जा रहे गरीब परिवार के छोटे - छोटे बच्चों पर उनकी नजर चली जाती। लगभग यही दृश्य विद्यालय से आते समय भी देखने को मिलता।तीन से पांच की संख्या में बच्चें ठंड में भी बहुत ही कम कपड़े में घूमते मिल जाते ।उनमें से एक छोटा बच्चा तो लोगों से भीख भी मांगता रहा।धीरज मास्टर साहेब से रहा नहीं गया,आज वो समय से पहले ही घर से निकल आए थे और कोई हड़बड़ी नहीं थी तो रुक कर और उस छोटे बच्चों के पास जैसे ही गए वो बच्चा उनसे भी एक हाथ फैलाते हुए और एक हाथ से पेट सहला कर मुंह से खाने के लिए कुछ पैसे दे दो भैया कहने लगा।

धीरज मास्टर साहेब कहने लगे ,"देखो हम मास्टर है।सबको पढ़ाते है और तुम्हारी उम्र पढ़ने की है ,न कि भीख मांगने की। चलो मेरे साथ कुछ खाना है तो खा लो,पर हम भीख दे कर तुम्हारी और तुम्हारे जिससे बच्चो की आदत नहीं बिगड़ सकते। चलो मेरे साथ अपने घर, मैं तुम्हारे माता पिता से बात करता हूं और तुम्हारा नाम बगल के स्कूल में लिखवा देता हूं।इतना सुनते ही बाकी बच्चे दौड़ कर भाग गए पर वो बच्चा भाग न सका। पहले तो बहुत आना कानी करते रहा पर मेरे दबाव देने पर वो साथ चला।उसके बताए रास्ते पर थोड़ी दूर चलने पर एक टूटा फूटा झोपडी दिखा।अंदर जाने पर एक महिला दिखी जो बीमार लग रही थी।मास्टर साहेब द्वारा अपना परिचय देने पर वो बोली कि इसका बाप कोई काम नहीं करता है।मैं दूसरे के घर काम करती हूं।बीमार होने के कारण मैं कुछ दिनों से घर से बाहर नहीं जा रही ।दूसरे बच्चो के साथ ये बिगड़ने लगा है,कह रोने लगी।। मास्टर साहेब बोले..बहन आप परेशान न हो।मैं इसके साथ कुछ दिन इसे प्रतिदिन संध्या पाठशाला में पढ़ाऊंगा।ये पता करते रहूंगा कि ये स्कूल जा रहा है या नहीं।वो बच्चा अब प्रतिदिन संध्या पाठशाला में आता और पढ़ाई करता। वहां उसके पठन पठान की सामग्री भी मिलती और संध्या पाठशाला में बच्चे पढ़ते भी।इस प्रकार कुछ वर्षों के बाद नवोदय की परीक्षा में उस बच्चे का चयन हो गया।इस प्रकार एक शिक्षक के द्वारा एक बच्चे का भविष्य संवर गया।ऐसे ही शिक्षक को राष्ट्र निर्माता नहीं कहते।

धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ
कैमूर (बिहार)

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: दिसम्बर 2024

प्रथम शनिवार दिनांक **07.12.2024**	निमोनिया एवं सर्दी-खांसी/जुकाम, आंख एवं त्वचा का संक्रमण, चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय की जानकारी।
द्वितीय शनिवार दिनांक **14.12.2024**	हाथ धुलाई, खुले में शौच के खतरे, मल का सुरक्षित निपटान के सन्दर्भ में जानकारी ।
तृतीय शनिवार दिनांक **21.12.2024**	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण के सन्दर्भ में जानकारी।
चतुर्थ शनिवार दिनांक **28.12.2024**	शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के बारे में जानकारी ।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

माह: जनवरी 2025

प्रथम शनिवार दिनांक **04.01.2025**	शीतलहर तूफान से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी
द्वितीय शनिवार दिनांक **11.01.2025**	रेल / सड़क दुर्घटना से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक **18.01.2025**	भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक **25.01.2025**	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मध्य विद्यालय निजामचक , दिघवारा
(सारण)

UMS सिलौटा, कैमूर

सुरक्षित शनिवार

मध्य विद्यालय रौटी, महिषी
(सहरसा)

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा, समेली(कटिहार)

TEACHERS OF BIHAR

गुणकारी फल

अमरूद

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ
(कैमूर)

अमरूद फल का वैज्ञानिक नाम साइडियम ग्वायवा हैं। वैज्ञानिकों का विचार है कि अमरूद की उत्पति वेस्ट इंडीज़ से हुई है।भारत की जलवायु में अमरूद इतना घुल मिल गया है कि इसकी खेती यहाँ अत्यंत सफलतापूर्वक की जाती है। पता चलता है कि 17वीं शताब्दी में यह भारतवर्ष में लाया गया। यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक फल है। इसमें विटामिन 'सी' अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त विटामिन 'ए' तथा 'बी' भी पाए जाते हैं। इसमें लोहा, चूना तथाफास्फोरस अच्छी मात्रा में होते हैं। जाड़े की ऋतु में यह इतना अधिक तथा सस्ता प्राप्त होता है।अमरूद का प्रसारण अधिकतर बीज द्वारा किया जाता है।सर्दियों में अमरूद खाने के फायदे ही फायदे हैं। दंत रोगों के लिए अमरूद रामबाण साबित होता है। अमरूद के पत्तों को चबाने से दांतों के कीड़ा और दांतों से सम्बंधित रोग भी दूर हो जाते हैं। पाचक फल के साथ ये कई औषधीय गुणो के लिए जाना जाता हैं।

लाभ और हानि (profit and loss)

विशेष सूत्र (special formulae)

जब दो वस्तुओं में से प्रत्येक का विक्रय मूल्य समान हो तथा एक को x % लाभ तथा दूसरे को x % हानि पर बेचा जाए तो

$$\text{प्रतिशत हानि} = \frac{x^2}{100}\ \%$$

जैसे -यदि 2 गायों में से प्रत्येक को ₹500 में बेचा गया हो तथा एक पर 15% लाभ तथा दूसरे पर 15% की हानि हुई हो तो प्रतिशत हानि क्या है?

हल:-प्रतिशत हानि $= \frac{15^2}{100} = \frac{225}{100}$

$= 2.25\%$

\# जब m रु में n वस्तु ख़रीद कर x रु में y वस्तु बेची जाए तो प्रतिशत लाभ/हानि

$$= \frac{xn-my}{my} \times 100$$

जैसे -यदि 12रु में 15वस्तु खरीद कर 14रु में 20वस्तु बेची जाए तो प्रतिशत लाभ/हानि=?

हल:-

$$\frac{(14\times15)-(12\times20)}{12\times20} \times 100$$

$$= \frac{210-240}{240} \times 100 = \frac{-30\times100}{240} = -12\frac{1}{2}\ \%$$

★ यदि हल ऋणात्मक हो तो प्रतिशत हानि होती है।

TOB
बालमन
नवाचार
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
"वॉल बुक हैंगर"
नवाचारी शिक्षक/शिक्षिका
1. धीरज कुमार
UMS सिलौटा, कैमूर
2.पुष्पा प्रसाद
राजकी कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट गोपालगंज

बिहार सरकार
शिक्षा विभाग
(माध्यमिक शिक्षा निदेशालय)
वर्ष 2025 के लिए
अवकाश तालिका, 2025
January 2025
February 2025
March 2025
April 2025
May 2025
June 2025
July 2025
August 2025
September 2025
October 2025
November 2025
December 2025
www.teachersofbihar.org

ToB
खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

टेनिस गेम क्या है?

टेनिस एक खेल है जिसमें दो खिलाड़ी एक टेनिस रैकेट का उपयोग करके एक टेनिस गेंद को एक से दूसरे खिलाड़ी के बाराबर खेलते हैं। इस खेल के बडे टूर्नामेंट्स है विम्बलडन, रोलेंड गैरोस, अस्ट्रेलियन ओपन, और यूएस ओपन।

टेनिस खेलने के नियम

- **मैच जीतना:** तीन गेम्स जीतने वाला पहला खिलाड़ी मैच जीतता है, लेकिन अगर दोनों खिलाड़ी तीन-तीन गेम्स जीतते हैं, तो एक ब्रेकर में जीतने वाला खिलाड़ी मैच जीतता है।
- **पॉइंट की गणना:** एक गेम के दौरान, खिलाड़ियों को 15, 30, 40, और गेम के बाद विजयी खिलाड़ी को एक और प्वाइंट की आवश्यकता है।
- **सर्विस और रिटर्न:** सर्विस करते समय गेंद को कोर्ट के दूसरे ओर और नेट के ऊपर से करना होता है।
- **गेंद को मारने का तरीका:** गेंद को कोर्ट के भीतर होना चाहिए और नेट के ऊपर से पार करना चाहिए।

इवेंट

सिंगल	डबल	मिक्स्ड डबल

भारत में टेनिस की शुरुआत अँग्रेजों ने 1880 में की थी।

टेनिस पहली बार ओलंपिक खेलों में 1896 में शामिल हुआ था।

फुटबॉल

फुटबॉल एक प्रसिद्ध खेल है जिसमें दो टीमों के खिलाड़ी एक गेंद को उच्चतम संख्या में विरोधी टीम की गोल के बाएं या दाएं ओर ले जाने का प्रयास करते हैं।

फुटबॉल का इतिहास

1863 में, इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (ईएफए) ने इस खेल के नियमों को मान्यता दी, जिसने आधुनिक फुटबॉल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओलंपिक में फुटबॉल

फुटबॉल पहली बार 1900 में पेरिस ओलंपिक खेलों में ओलंपिक प्रोग्राम में शामिल हुआ था। महिलाओं के लिए 1996 में शामिल किया गया था।

फुटबॉल के नियम

गोलकीपर: हर टीम के पास एक गोलकीपर होता है जो गोल की रक्षा करता है।
गोल: गोलकीपर के पास हर टीम के खेलकों को बॉल को गोल में डालने के लिए कोशिश करनी होती है।
खेल का समय: फुटबॉल मैचों का समय आमतौर पर दो अधिमान होता है, प्रत्येक अधिमान के बाद आमतौर पर 15 मिनट का विश्राम होता है।
ऑफसाइड: यह नियम यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ी गेंद को उच्चतम संख्या में ले जाने के लिए नायर्मल खेल में आगे नहीं बढ़ते हैं।
फाउल: यदि किसी खिलाड़ी को बॉल को हाथ से स्पष्ट रूप से छेड़ने, गिराने, या उसके खिलाफ अवैध गतिविधियों का पालन किया जाता है, तो वह फाउल के लिए दंडित हो सकता है।
काईस: पीला कार्ड (चेतावनी) और लाल कार्ड (बाहर किया जाने की सजा)।

ToB बालमन

वैदिक गणित

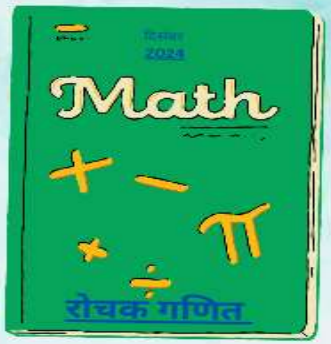

वैदिक गणित भारतीय शंकराचार्य भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा लिखित और पहली बार 1965 में प्रकाशित एक पुस्तक है।

वैदिक गणित गणितीय समस्या को हल करने में लगने वाले समय को कम करता है।

अंकगणित, रेखागणित, बीजगणित, शंकु और कलन से जुड़ी किसी भी समस्या को हल करने के लिए वैदिक गणित के सूत्रों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वैदिक गणित के 16 सूत्र ये हैं:

एकाधिकेन पूर्वेण, निखिलं नवतश्चरमं दशतः, ऊर्ध्व तिर्यग्भ्यां, यावदूनं तावदूनं, परावर्त्य योजयेत, एकन्यूनेन पूर्वेण, व्यास्ति-समस्ति, गुणकसमुच्चय-समुच्चयगुणकः, गुणितसमुच्यः, शून्यं साम्यसमुच्च्ये, अनुरूप्ये शून्यमान्यत, संकलन-व्यकलनाभ्यां, पूर्ण-अपूर्णाभ्यां, चलन-कलनाभ्यां, सोपांत्याद्वयमंत्यां, शेषन्यांकेन चरमेन।

कुमार राकेश मणि

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा ,नुआंव, कैमूर

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

वाणावर गुफाएं

वाणावर गुफाएं या बराबर गुफाएं भारत के बिहार राज्य के जहानाबाद जिले में गया से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुफाएँ हैं और चट्टानों को काटकर बनायी गयी सबसे पुरानी गुफाएं हैं।इनमें से अधिकांश गुफाओं का संबंध मौर्य काल (322-185 ईसा पूर्व) से है और कुछ में अशोक के शिलालेखों को देखा जा सकता है।ये गुफाएं बराबर (चार गुफाएं) और नागार्जुनी (तीन गुफाएं) की जुड़वाँ पहाड़ियों में स्थित हैं। बराबर में ज्यादातर गुफाएं दो कक्षों की बनी हैं जिन्हें पूरी तरह से ग्रेनाईट को तराशकर बनाया गया है जिनमें एक उच्च-स्तरीय पॉलिश युक्त आतंरिक सतह और गूंज का रोमांचक प्रभाव मौजूद है। पहला कक्ष उपासकों के लिए एक बड़े आयताकार हॉल में एकत्र होने के इरादे से बनाया गया था और दूसरा एक छोटा, गोलाकार, गुम्बदयुक्त कक्ष पूजा के लिए था, इस अंदरूनी कक्ष की संरचना कुछ स्थानों पर संभवतः एक छोटे स्तूप की तरह थी, हालाँकि ये अब खाली हैं। चट्टानों को काटकर बनाए गए ये कक्ष अशोक (आर. 273 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व) और उनके पौत्र दशरथ के मौर्य काल तीसरी सदी ईसा पूर्व से संबंधित हैं। यद्यपि अशोक स्वयं बौद्ध थे लेकिन एक धार्मिक सहिष्णुता की नीति के तहत उन्होंने विभिन्न जैन संप्रदायों की पनपने का अवसर दिया। इन गुफाओं का उपयोग आजीविका संप्रदाय के संन्यासियों द्वारा किया गया था जिनकी स्थापना मक्खलि गोसाल द्वारा की गयी थी, वे बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्धार्थ गौतम और जैन धर्म के अंतिम एवं 24वें तीर्थंकर महावीर के समकालीन थे।इसके अलावा इस स्थान पर चट्टानों से निर्मित कई बौद्ध और हिंदू मूर्तियाँ भी पायी गयी हैं।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

Christmas special

मध्य विद्यालय सोनहन
भभुआ, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
भभुआ 01

D.N.S.M.S, MAKRAIN
DEHRI, ROHTAS

मध्य विद्यालय भेकास
कैमूर

Govt UMS SENUARIYA CHANPATIA
WEST CHAMPARAN

UMS अर्रा, मोहनियां
कैमूर

UMS दुघरा, कैमूर

UMS ऐकौनी, चांद

कन्या मध्य विद्यालय भभुआ 18

UMS अमांव, चैनपुर

UMS chhotka Katra
Mohania Kaimur
Anjali Kumari,Class 6

प्रीति कुमारी वर्ग 4
न्यू प्राथमिक विद्यालय सितमपुरा
भभुआ, कैमूर।

Christmas 🎄 Tree
Made by Aradhyaa Raj
Class 6
M S Ranti, Madhubani

UMS कोटा नुआंव, कैमूर

UMS अमांव, चैनपुर

ToB बालमन जानकारी

महाकुंभ मेला

महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है।

हिंदू धर्म में कुंभ मेला एक धार्मिक तीर्थयात्रा है जो 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाई जाती है। कुंभ मेले का भौगोलिक स्थान भारत में चार स्थानों पर फैला हुआ है और मेला स्थल चार पवित्र नदियों पर स्थित चार तीर्थस्थलों में से एक के बीच घूमता रहता है, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:-

- हरिद्वार, उत्तराखंड में, गंगा के तट पर
- मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर
- नासिक, महाराष्ट्र में गोदावरी के तट पर
- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर

कुम्भ मेले में सभी धर्मों के लोग आते हैं,जिनमें साधु और नागा साधु शामिल हैं, जो साधना करते हैं और आध्यात्मिक अनुशासन के कठोर मार्ग का अनुसरण करते हैं, संन्यासी जो अपना एकांतवास छोड़कर केवल कुंभ मेले के दौरान ही सभ्यता का भ्रमण करने आते हैं, अध्यात्म केसाधक और हिंदू धर्म का पालन करने वाले आम लोग भी शामिल हैं। इस पावन दृश्य का आनंद एवं संगम स्नान हेतु एक बार जरूर करना चाहिए।

कुमार राकेश मणि(UHS कोटा नुआंव, कैमूर)

ToB SCIENCE TLM

Class 10
Biology

प्रकाशसंश्लेषण

प्रकाशसंश्लेषण एक विशेष प्रकार की जैव रासायनिक प्रक्रिया है जिसमें हरे पौधें सूर्य के प्रकाश में क्लोरोफिल की उपस्थिति में कार्बन डाइऑक्साइड और जल की सहायता से ग्लूकोज और ऑक्सीजन का निर्माण करता है।

प्रकाश संश्लेषण का क्रिया स्थल

Class 10

विरंजक चूर्ण

Bleaching Powder

रासायनिक सूत्र - $CaOCl_2$

रासायनिक नाम - कैल्शियम ऑक्सी क्लोराइड

विरंजक चूर्ण का निर्माण :-

शुष्क बुझे हुए चुने को 40°C पर गर्म कर उसके ऊपर क्लोरीन गैस प्रवाहित करने पर विरंजक चूर्ण प्राप्त होता है।

$$Ca(OH)_2 + Cl_2 \longrightarrow Ca(OCl)Cl + H_2O$$

उपयोग :-

1. कीटाणुनाशक के रूप में
2. कागज एवं कपड़ो के विरंजन में
3. क्लोरीन, क्लोरोफॉर्म आदि बनाने में।

www.teachersofbihar.org

ToB बालमंच भारत

गुजरात

दीपिका श्रीवास्तव
शासकीय प्राथमिक शाला हरदी
जिला बिलासपुर , छत्तीसगढ़

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

25 दिसंबर

मधु प्रिया

सुशासन दिवस 25 दिसंबर

देश में महत्वपूर्ण दिवसों की सूची में एक महत्वपूर्ण दिन **25** दिसंबर का होता है जिसे सुशासन दिवस कहा जाता है। यह दिन हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल जी के जन्मदिवस के दिन ही आता है। असल में इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य इनकी जन्म तारीख को एक खास पहचान देकर इन्हे सम्मानित करना भी है। वर्ष **2014** में सरकारी कार्यालयों में लोगों को अपने कार्यो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस दिन की स्थापना की गई और इस दिन के इस सिद्धांत को ध्यान में रखने के लिए यह दिन सरकारी दफ्तरों के लिए अवकाश न होते हुये एक कार्यकारी दिवस होता है। भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा **23** दिसंबर **2014** को नब्बे वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय (मरणोपरांत) को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में घोषित किया गया था। घोषणा के बाद उस समय नव निर्वाचित प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन ने इसकी स्थापना करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती को भारत में प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सुशासन दिवस का उद्देश्य देश में पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में लोगों को जागरूक करना है। यह लोगों के कल्याण और बेहतरी को बढ़ाने के लिए भी मनाया जाता है।

/teachersofbihar

❋ ToB बालमन

शिक्षण अधिगम सामग्री

TLM का नाम → **भिन्न एवं कोण चकरी**

⭐ TLM जिस कक्षा के लिए उपयुक्त हैं → वर्ग 4,5 एवं 6

⭐ TLM से सम्बंधित विषय → गणित

⭐ सीखने के बिन्दु: इस TLM के माध्यम से हम निम्न बिन्दुओं की अवधारणा स्पष्ट कर पाएंगे -

(i) साधारण भिन्न की समझ

(ii) कोण एवं कोण के प्रकार

⭐ TLM बनाने हेतु सामग्री →

अलग अलग रंग के तीन मोटा कागज, पीन, गोंद, पतला स्टिक इत्यादि। मोटा कागज के तौर पर हमने शादी कार्ड के कवर का प्रयोग किया है। आप अपने हिसाब से कोई भी कागज ले सकते हैं।

⭐ TLM बनाने की विधि →

दो अलग अलग रंग के कागज को अपनी सुविधानुसार समान त्रिज्या का वृताकार टुकड़ा काट लेंगे। फिर कैंची द्वारा दोनों के केन्द्र से परिधि तक कट लगा देंगे। इससे करीब 2 सेंमी अधिक त्रिज्या लेकर तिसरे कागज को वृताकार टुकड़े में काट कर आठ बराबर भागों में बांट देंगे। प्रत्येक भाग के किनारे पर 1/8, 2/8, 3/8..... 8/8 लिख देंगे। अब इस बड़े टुकड़े के बीचोबीच दोनों छोटे वृताकार टुकड़े को रखकर केन्द्र में एक पीन लगा देंगे। नीचे वाले छोटे टुकड़े के कटे हुए एक भाग को ऊपर निकाल लेंगे तथा उसपर फेविकोल की सहायता से एक पतला स्टिक सटा देंगे। अब हमारा TLM तैयार हो गया।

⭐ TLM उपयोग करने की विधि →

TLM के स्टिक को पकड़कर एक ओर खिंचते जाएंगे तो वह खुलता जाएगा।बड़े वाले टुकड़े पर अंकित पहले भाग पर रोककर 1/8, दुसरे पर रोककर 2/8, तिसरे पर रोककर3/8. इस तरह से प्रत्येक भाग पर रोककर हम भिन्न की अवधारणा स्पष्ट करेंगे।जब हमें कोण की जानकारी देनी हो तब हम स्टिक को पूर्वावस्था में लाकर धीरे धीरे आगे बढ़ाते जाएंगे तथा विभिन्न प्रकार के कोण यथा न्यूनकोण, समकोण, अधिककोण, ऋजुकोण, वृहत् कोण एवं संपूर्ण कोण की जानकारी दे सकते हैं।

⭐ TLM निर्माणकर्ता →

अवधेश राम(शिक्षक)
U.M.S. बहुआरा, भभुआ
(कैमूर) बिहार

⭐ TLM चित्र

TOB बालमन

व्यक्ति विशेष

दिसंबर 2024

उस्ताद ज़ाकिर हुसैन

उस्ताद ज़ाकिर हुसैन भारत के सबसे प्रसिद्ध तबला वादक थे। ज़ाकिर हुसैन तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के बेटे थे। उनका जन्म 09 मार्च 1951 को हुआ था।ज़ाकिर हुसैन का बचपन मुंबई में ही बीता। 12 साल की उम्र से ही ज़ाकिर हुसैन ने संगीत की दुनिया में अपने तबले की आवाज़ को बिखेरना शुरू कर दिया था। 1973 में उनका पहला एलबम लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड आया था। इनके माता का नाम बावी बेगम,पत्नी का नाम अन्तोनिया मिन्नेकोला और बच्चे का नाम इसाबेल्ला कुरैशी, अनीसा कुरैशी।ज़ाकिर हुसैन को भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में सन् 1988 में पद्मश्री तथा सन् 2002 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। इन्हें 22 मार्च 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इनका निधन 15 दिसंबर, 2024 को अमेरिका के सैन फ़्रांसिस्को में बीमारी से हुआ।

ToB बालमन

मन का विश्वास

आओ मन की बात करें ,
आशाओं की बात करें।
विश्वास सदा रखना मन में,
यह सर्वोत्तम तत्व है जीवन में।
मन की आशा मन का विश्वास,
जीवन को करते हैं खास।
इनके ना होने से बच्चों ,
जीवन बन जाती एक लाश
जीवन बन जाती एक लाश।

खुशबू कुमारी(शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ, कैमूर
बिहार

ToB बालमन

हर तस्वीर कुछ कहती हैं...

मध्य विद्यालय विष्णुचक समेली (कटिहार)

Photo of the month Part 1

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट गोपालगंज

राजकीय मध्य विद्यालय बीहट ,बेगूसराय

UMS सिलौटा, भभुआ कैमूर

ToB बालमन

हर तस्वीर के पीछे कुछ कहानी होती हैं...

Photo of the month Part 2

UMS सेनुअरिया, चनपटिया (पश्चिमी चंपारण)

न्यू प्राथमिक विद्यालय सुहागी (किशनगंज)

मध्य विद्यालय सैनो ,जगदीशपुर भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर छातापुर(सुपौल)

राजकीय मध्य विद्यालय डहरक रामगढ़(कैमूर)

ToB बालमन

Photo of the month part 3

मध्य विद्यालय सिमराहा
अररिया

उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा
पूसा,समस्तीपुर

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी
नरपतगंज जिला अररिया

नज़र कमजोर हैं मेरी कला और मैं नहीं।
राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
गोपालगंज

प्रा०वि० कौवाली टोला मुसहरी

NPS सुहागी, किशनगंज

कन्या मध्य विद्यालय मऊ विद्यापति नगर समस्तीपुर

शिक्षा शब्दकोश

संरचनात्मक पद्धति

यह विधि नई पद्धति तथा श्रव्य-मौखिक पद्धति के रूप में जानी जाती है। यह पद्धति डाइरेक्ट मैथड के सुधार के रूप में उपयोग की जाती है। इस पद्धति में संरचना का समावेश होता है और ये संरचना या शब्दों का चुनाव तथा वर्गीकरण के अनुसार सिखाये जाते हैं।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

यह दिवस साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को समर्पित है। वजीर खान ने गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया था। आज उसी स्थान को फतेहगढ़ साहिब के नाम से जाना जाता है। यह दिवस देश के वीर और साहसी इतिहास को सच्ची श्रद्धांजलि है। हमारे युवाओं को अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखना चाहिए।

W e d n e s d a y

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

25 दिसम्बर

1. **अटल बिहारी बाजपेयी का जन्मदिवस–** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसम्बर, 1924 ई. को ग्वालियर, मध्यप्रदेश में हुआ था। वे हिन्दी के कवि, पत्रकार और एक प्रखर वक्ता थे। वे तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने। वर्ष 1992में 'पद्म विभूषण', और वर्ष 2015 में 'भारत रत्न' सम्मान से भी सम्मानित किये गये थे। इसके अलावे वर्ष 1994 में उन्हें 'श्रेष्ठ सांसद पुरस्कार', 'पं. गोविन्द वल्लभ पुरस्कार' और 'लोकमान्य तिलक पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में पोखरण परमाणु परीक्षण, दिल्ली –लाहौर बस सेवा, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना तथा कारगिल युद्ध विजय प्रमुख उपलब्धियां रही।
2. **क्रिसमस डे/ईसा मसीह जयंती–** 25 दिसम्बर को ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह का जन्म येरूसेलम, यहुदा, रोमन साम्राज्य में हुआ था। इनके माता–पिता का नाम मरियम और युसुफ था। इनके जीवनी और उपदेशों को 'बाइबिल' नामक ग्रंथ में संग्रहित किया गया है।
3. **राष्ट्रीय सुशासन दिवस–** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर उन्हें सम्मानित करने के उद्देश्य से वर्ष 2014 में सुशासन दिवस की स्थापना की गई थी।
4. **पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती–** पंडित मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर, 1861 ई. को प्रयाग में हुआ था। वे एक शिक्षक, वकील, सम्पादक और समाज सुधारक नेता भी थे। उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। इसके अलावा हिन्दी भाषा के विकास में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें दिसम्बर 2014 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

Madhu priya

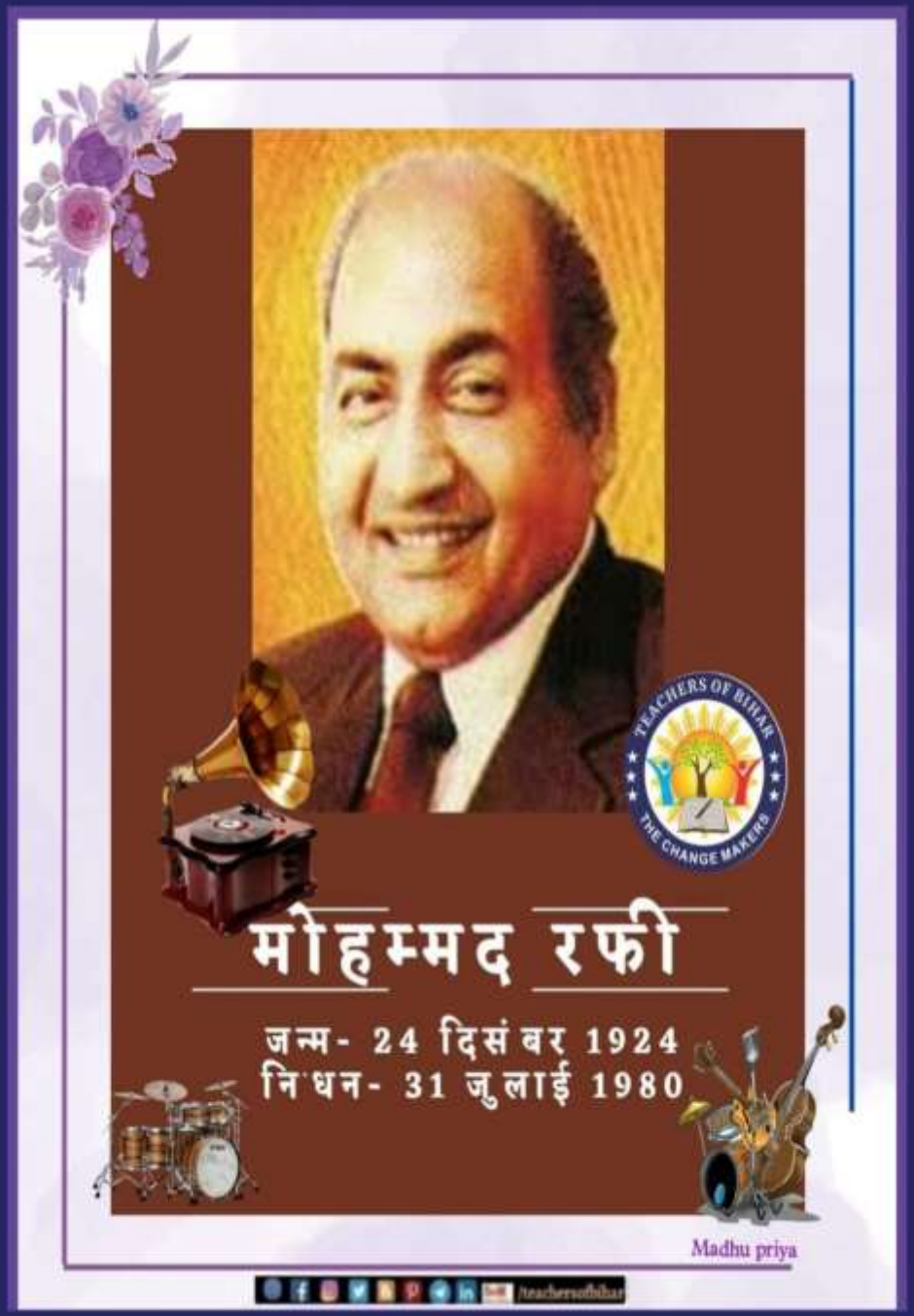
मोहम्मद रफी
जन्म- 24 दिसंबर 1924
निधन- 31 जुलाई 1980
Madhu priya
/teachersofbihar

विनम्र श्रद्धांजलि।
मनमोहन सिंह
जन्म- 26-09-1932-मृत्यु - 26-12-2024
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

ToB बालमन

नैतिक शिक्षा

दोस्ती निभाने के 5 मंत्र

दोस्ती की नींव विश्वास पर टिकी होती हैं।विश्वास बनाए रखें।

दोस्ती में ईमानदारी का होना ज़रूरी हैं।

दोस्ती में स्वार्थ को जगह नहीं देनी चाहिए।

दोस्ती में एक-दूसरे के प्रति प्रतियोगिता की भावना दूर रखे।

अपने दोस्त की कही हुई कोई बात बुरी लग जाए तो माफ़ी मांग लें।

धीरज कुमार
प्रधान संपादक ToB बालमन
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर (बिहार)

दिसम्बर 2024

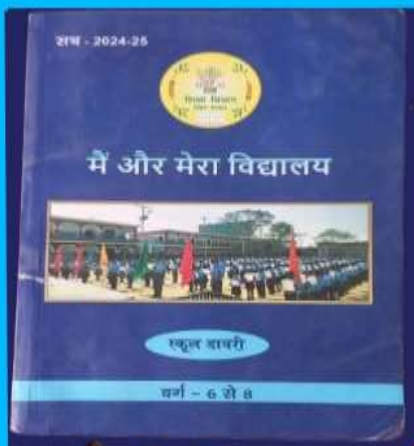

राकेश कुमार

माह जनवरी

11 जनवरी	लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि
12 जनवरी	स्वामी विवेकानंद जयंती / विश्व युवा दिवस
15 जनवरी	भारतीय थल सेना दिवस
23 जनवरी	सुभाष चंद्र बोस जयंती
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
30 जनवरी	शहीद दिवस / महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि

यह दिवस / जयंती बच्चों को जो स्कूल डायरी दी गई है उस पर आधारित है।

TEACHERS OF BIHAR
BALMAN TIMES

बालमन कॉर्नर से बच्चों की कला प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलेगा

सिटी रिपोर्टर | भभुआ

बालमन कॉर्नर से बच्चों की कला प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलेगा। दरअसल,नन्हे-मुन्ने बच्चों में प्रतिभाओं की अपार सम्भावनाएं होतीं हैं।उनकी प्रतिभा को अभी से पहचानने और एक नई पहचान दिलाने क जरूरत है। इसी कड़ी में सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा को संजोने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सदर प्रखंड भभुआ के शिक्षक धीरज कुमार द्वारा एक मुहिम की शुरुआत अपने विद्यालय से करते हुए सभी शिक्षकों से भी एक अपील की गई है कि अपने विद्यालय के वर्ग कक्ष या किसी खाली दीवार पर बाल मन कॉर्नर लिख कर उस दीवार को पूरी तरह से बच्चो को समर्पित कर दें। जिस पर बच्चे अपने मन की कल्पना से बनाए गए चित्रकारी, कहानी, कविता, साइंस पोस्टर आदि को सजा सके।

बिहार के सरकारी विद्यालयों की बदल रही है तस्वीरें : मृत्युंजय ठाकुर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के सरकारी विद्यालयों की तस्वीरें बदलने लगी है। वर्तमान समय में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे बेहतर प्रयोग से छात्र-छात्राओं की उपस्थिति विद्यालय में शत-प्रतिशत हो रही है। उक्त बातें मृत्युंजय ठाकुर (शिक्षक) नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला, पताही, पूर्वी चम्पारण-सह-प्रदेश मीडिया संयोजक, टीचर्स ऑफ बिहार ने कही है। उन्होंने ने कहा कि बच्चे विद्यालय में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की नवाचारी गतिविधि के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और इसमें मुख्य भूमिका विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों की है जो लगातार बिहार के सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक माहौल तैयार करने को लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसी नवाचारी गतिविधि को राज्य के सरकारी विद्यालय, शिक्षक एवं छात्रों तक पहुंचाने के लिए बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी " टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स

" द्वारा विगत पांच वर्षों से लगातार काम किया जा रहा है जिसका असर अब राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां बिहार के सरकारी विद्यालय के एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट शिक्षक बिहार के सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने के लिए बिना किसी सरकारी सहायता के निःस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। अभी हाल ही में टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद(एनसीईआरटी) ने भी की है और देश के सभी राज्यों में ऐसी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (पीएलसी) लागू करने की बात की है। श्री ठाकुर ने कहा कि सरकारी विद्यालय में शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल तैयार करने को लेकर बिहार के शिक्षकों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार एक बेहतर मंच प्रदान करता हैं जहां बिहार ही नही बल्कि अन्य राज्यों से भी लाखों शिक्षक जुड़कर प्रतिदिन अपने विद्यालय में कराये जा रहे नवाचार, गतिविधि व अन्य शैक्षणिक कार्य साझा करते हैं जिसे देखकर अन्य शिक्षक भी प्रेरित होकर अपने विद्यालय में इसे लागू करते हैं।

» हमारे विद्यालय बदल रहे हैं।
» हमारा बिहार बदल रहा है।।

TEACHERS OF BIHAR

Wishes all of you

HAPPY New YEAR

जाने वाले साल 2024 को सलाम करते हुए
अलविदा और नए साल का स्वागत

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org